दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 धूप की तेजी से तापमान ने पकड़ा जोर | 5 कर्नल सोफिया–बबीना में प्रशिक्षण... | 8 कब–कब बीच में रोका गया आईपीएल

UPHIN51019 | वर्ष: 02, अंक: 46 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 12 मई,2025

नई दिल्ली । भारत–पाकिस्तान के बीच चल रहा तनाव अब चौथे दिन में पहुंच गया है। शनिवार को सरहद पर हालात और तनावपूर्ण हो गए हैं। भारत के कई सीमावर्ती शहर अलर्ट पर हैं। पाकिस्तान लगातार उकसावे की कोशिश कर रहा है, जिसे भारत की मजबूत वायु रक्षा प्रणाली के जरिए लगातार नाकाम किया जा रहा है। देर रात पाकिस्तान ने 26 शहरों को निशाना बनाया। जवाब में भारत ने उसके हर नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया। भारत ने जवाबी कार्रवाई भी की।

अब तक क्या हुआ

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को आतंकियों ने पर्यटकों पर हमला किया। धर्म पूछकर उन्हें गोली मारी। 6–7 मई की दरमियानी रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत 24 मिसाइलें आतंकियों के नौ ठिकानों को नष्ट कर दिया। इसके अगले दिन यानी 8 मई को पाकिस्तान ने नापाक हरकत की। सरहद पर तेजी से हालात बदले। पाकिस्तान जंग पर आमादा हो गया। गुरुवार को दोपहर 2:34 बजे यह खुलासा हुआ कि पाकिस्तान ने बौखलाहट में भारत के 15 शहरों में स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे सेना ने नाकाम कर दिया। यही नहीं, पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर लाहौर में उसे काफी नुकसान पहुंचा। भारत ने लाहौर में पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

शुक्रवार 9 मई को क्या हुआ?

कल रात पाकिस्तानी सेना ने भारतीय ठिकानों की ओर करीब 500 ड्रोन दागे, जिन्हें लद्दाख के सियाचिन बेस कैंप से लेकर गुजरात के कच्छ इलाके तक 24 जगहों पर देखा गया। इनमें से करीब 50 ड्रोन को एयर डिफेंस गन ने नष्ट कर दिया, जबकि करीब 20 को सॉफ्ट किल के जरिए मार गिराया गया।

ज्यादातर ड्रोन हथियारों से लैस नहीं थे। ड्रोन में कैमरे लगे थे और संभवतः वे अपने ग्राउंड स्टेशनों पर फुटेज रिले कर रहे थे।

भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों ने लगभग सभी ड्रोन को मार गिराया, जो बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा सकते थे।

अब जानिए यानी 10 मई का अपडेट

जम्मू के पास भारतीय सेना ने पाकिस्तानी चौकियों और आतंकवादी लॉन्च पैड्स को नष्ट कर दिया। इन्हीं जगहों से ट्यूब लॉन्च ड्रोन के जरिए भारत में घुसपैठ कर कोशिशें की जा रही थीं।

रक्षा सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान में कम से कम चार एयरबेसों को भारतीय हमलों का निशाना बनाया गया। इस बीच यह भी बताया गया कि श्रीनगर और आस–पास के इलाकों में पाकिस्तान के साथ भारी मुठभेड़ चल रही है। सेना ने इलाके में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली सक्रिय कर दी है।

सुबह 5 बजे अमृतसर के खासा कैंट के ऊपर हथियारबंद ड्रोन देखे गए

रक्षा अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमलों और अन्य हथियारों के साथ हमारी पश्चिमी सीमाओं पर लगातार हमले जारी हैं। ऐसी ही एक घटना में आज सुबह लगभग 5 बजे अमृतसर के खासा कैंट के ऊपर दुश्मन के कई हथियारबंद ड्रोन उड़ते देखे गए। हमारी वायु रक्षा इकाइयों ने तुरंत ही दुश्मन के ड्रोनों पर हमला कर उन्हें नष्ट कर दिया।

पाकिस्तान रेंजर्स की चौकियों और संपत्तियों को व्यापक नुकसान

इससे पहले बीएसएफ ने बताया कि 9 मई 2025 को रात लगभग 9 बजे पाकिस्तान ने बिना किसी उकसावे के जम्मू सेक्टर में बीएसएफ चौकियों पर गोलीबारी की। बीएसएफ ने उचित तरीके से जवाब दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान रेंजर्स की चौकियों और संपत्तियों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। भारत की संप्रभुता की रक्षा के लिए हमारा संकल्प अडिग है।

सियालकोट के लूनी में आतंकवादी लान्च पैड नष्ट

अखनूर क्षेत्र के सामने पाकिस्तान के सियालकोट जिले के लूनी में आतंकवादी लॉन्च पैड को ठैथ ने पूरी तरह से नष्ट कर दिया।

इससे पहले गुजरात के कच्छ सेक्टर में एल–70 एयर डिफेंस गन का इस्तेमाल कर भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना के एक हथियारबंद ड्रोन को सफलतापूर्वक मार गिराया।

32 एयरपोर्ट 15 मई तक एहतियातन बंद

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और संबंधित विमानन प्राधिकरणों ने नोटम जारी किया है। इसमें उत्तरी और पश्चिमी भारत में 32 हवाईअड्डों को सभी नागरिक उड़ान संचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की गई है। इन हवाई अड्डों में उधमपुर, अंबाला, अमृतसर, अवंतीपुर, बठिंडा, भुज, बीकानेर, चंडीगढ़, हलवारा, हिंडन और जम्मू और जैसलमेर, जामनगर, जोधपुर, कांडला, कांगड़ा (गग्गल), केशोद, किशनगढ़, कुल्लू मनाली (भुंतर) और लेह शामिल हैं। इसके अलावा, लुधियाना, मुंद्रा, नलिया, पठानकोट, पटियाला, पोरबंदर, राजकोट (हीरासर), सरसावा, शिमला, श्रीनगर, थोइस और उत्तरलाई को भी बंद कर दिया गया है।

नई दिल्ली। भारत–पाकिस्तान के बीच स्थिति पिछले दो दिनों में तेजी से बदली है। पाकिस्तान की तरफ से भारत के कई शहर और एयरपोर्ट को निशाना बनाने की कोशिश को भारत ने नाकाम कर दिया। जिसके बाद सुरक्षा करणों से देश के 32 एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। कई एयरपोर्ट पर सेवाएं सामान्य हैं, वहां पर सुरक्षा व्यवस्थान कड़ी है। देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा इंतजाम और कड़े कर दिए गए हैं। इस बीच देश के 32 एयरपोर्ट 15 मई तक बंद कर दिए गए हैं।

ये हवाई अड्डे 15 मई को सुबह 5.29 बजे तक बंद रहेंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच यह कदम उठाया गया है। हालांकि, कुछ हवाई अड्डों का संचालन सामान्य है, लेकिन हवाई क्षेत्र में लगी कुछ पाबंदियों के चलते कुछ उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है।

गोरखपुर वासियों के लिए खुशखबरी

निरीक्षण में कमिश्नर और डीएम ने जताई नाराजगी, जून तक बाकी काम भी पूरा करने का दिया निर्देश

नकहा ओवरब्रिज के एक लेन पर अगले माह शुरू होगा संचलन, खजांची पुल पर भी चलने लगेंगे वाहन

संवाददाता, गोरखपुर। कमिश्नर अनिल ढींगरा और डीएम कृष्णा करूणेश ने गुरुवार को गोरखनाथ ओवरब्रिज, बरगदवां से भगवानपुर नकहा ओवरब्रिज तथा खजांची चौराहा के पास निर्माणाधीन ओवर ब्रिज का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्धारित समय से एक माह देर से चल रहे गोरखनाथ ओवरब्रिज की सुस्त रफ्तार पर नाराजगी व्यक्त की। निर्देश दिया कि श्रमिकों और जरूरी संसाधनों को बढ़ाकर हर हाल में जून तक रेल लाइन के ऊपर बचे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूरा करने के साथ ही अन्य कार्य भी पूरे कर लिए जाएं।

अप्रैल 2023 में इस ओवरब्रिज का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। 127.87 करोड़ की लागत वाले 600 मीटर लंबे और 7.5 मीटर चौड़े इस ओवरब्रिज का निर्माण कार्य अप्रैल में ही पूरा कर लेना था। इस ओवरब्रिज का निर्माण हो जाने से आवागमन सुगम होने के साथ ही गोरखनाथ क्षेत्र में जाम की समस्या भी

कमिश्नर और डीएम ने गोरखनाथ नकहा और खजांची ओवरब्रिज का निरीक्षण किया। गोरखनाथ ओवरब्रिज के निर्माण में देरी पर नाराजगी जताई और जून तक काम पूरा करने का निर्देश दिया। नकहा ओवरब्रिज पर अगले महीने से एक लेन पर आवागमन शुरू करने और खजांची पुल पर भी जल्द वाहनों का संचलन शुरू करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने गुणवत्ता बनाए रखने की बात कही।

खत्म हो जाएगी।

इसी तरह कमिश्नर और डीएम ने नकहा ओवरब्रिज के बरगदवां साइड का एप्रोच मार्ग का निर्माण जल्द पूरा करने के साथ ही अगले माह तक एक लेन पर आवागमन शुरू कर देने का निर्देश दिया। कमिश्नर ने सेतु निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि ओवरब्रिज के खजांची साइड की ओर एफसीआइ गोदाम की दीवार शिफ्ट करने और पेड़ों के पातन के लिए एक सप्ताह के भीतर एफसीआइ को सात करोड़ रुपये का भुगतान कर दें। इसी तरह खजांची ओवरब्रिज के निरीक्षण में पाया गया कि ज्यादातर काम पूरा हो चुका है। सिर्फ एप्रोच और रिटेंनिंग वाल का कुछ काम बाकी है। कमिश्नर और डीएम ने सेतु निगम के अधिकारियों को अगले माह तक इन कार्यों को भी पूरा कर संचलन शुरू करने का निर्देश दिया। बताया गया कि बिजली विभाग के कुछ पोल की वजह से रिटेनिंग वाल का निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। इसपर कमिश्नर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को जल्द पोल

सम्पादकीय

युद्ध जैसे हालात में सरकार से अपेक्षा

मंगलवार की आधी रात को पाकिस्तान पर किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर स्थित जम्मू–कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तान की तरफ से भयंकर गोली बारी शुरु की गई। कटाक्षों से घबराती सरकारक्या यूएसएआईडी ने अन्ना हजारे आंदोलन को धन दिया जिसके कारण यूपीए सरकार गिरी?
मंगलवार की आधी रात को पाकिस्तान पर किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर स्थित जम्मू–कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तान की तरफ से भयंकर गोली बारी शुरु की गई, जिसमें कम से कम 16 लोगों के मारे जाने की खबर है, साथ ही लांस नायक दिनेश कुमार शहीद भी हुए हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान ने इसके अलावा भारत के अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि पाकिस्तान के इन हमलों को एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और एयर डिफेंस सिस्टम ने बेअसर कर दिया। भारत के रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया कि पाकिस्तानी ड्रोनों के मलबे अब कई स्थानों से बरामद किए जा रहे हैं जो इस बात को साबित करते हैं कि पाकिस्तान ने हमला किया था।

जाहिर है हमारी सेना और मजबूत रक्षा तंत्र ने इस तरह देश की रखवाली की कि व्यापक तौर पर नागरिकों को पाकिस्तान की तरफ से हुए हमलों का पता ही नहीं चला। इस साहसिक कृत्य के लिए सेना की जितनी सराहना की जाए, कम है। इस समय सारा देश यही कर भी रहा है। गुरुवार को जब सरकार ने सभी दलों की बैठक फिर से बुलाई, तब भी तमाम दलों ने एकजुटता का भरोसा सरकार को दिलाया।

युद्ध के मुहाने पर खड़े इस कठिन दौर से गुजरते हुए भारत का हर विपक्षी दल और नागरिक अपने परस्पर विरोधों को भुलाकर सरकार और सेना के साथ खड़ा है लेकिन यह बेहद दुखद और आश्चर्यजनक बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो देश का नेतृत्व करते हैं, इस विषय पर गुरुवार को दिल्ली में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में पुनरू अनुपस्थित रहे। श्पुनरू श शब्द का इस्तेमाल इसलिये किया जा रहा है क्योंकि पहलगाम हमले के बाद 24 अप्रैल को बुलाई गई ऐसी ही बैठक में मोदी नहीं आये थे। हालांकि उन्होंने आतंकवादियों को धरती के आखिरी छोर से भी पकड़ लाने का वादा देश से किया था। सेना ने संयुक्त ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर पाकिस्तान व पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में दहशतगर्दों द्वारा चलाये जा रहे आतंकी कैंपों को उड़ा दिया। लेकिन इस दौरान सरकार को कम से कम सीमावर्ती इलाकों से नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने का इंतजाम कर लेना चाहिए था। अगर ऐसा होता तो शायद पुंछ में जो नुकसान हुआ, वह न होता। पुंछ इलाके में मारे गये नागरिक ज्यादातर किसान हैं। एक तरह से देखें तो ये सर्जिकल स्ट्राइक हो या सीमा के आर–पार की बम वर्षा के कारण लगभग युद्ध की स्थिति है। ऐसे में सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री का न आना यह बतलाता है कि वे लोगों से मिल रहे जनसमर्थन के कारण विपक्ष ही नहीं, नागरिकों व यहां तक कि संसद को भी काफी हल्के में ले रहे हैं। याद हो कि 22 अप्रैल को हुए बैसरन कांड के वक्त मोदी सऊदी अरब के दौरे पर थे जिसे छोड़कर वे भारत लौटे थे। इससे यह महसूस किया गया था कि वे स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए लौटे हैं। इसके विपरीत उन्होंने न तो राष्ट्र के नाम संदेश दिया और न ही कोई ऐसा बड़ा कदम उठाया जिससे महसूस हो कि वे किसी बड़े फैसले को लेने या उसे क्रियान्वित करने के लिये उद्धत हैं। वे बिहार चले गये जहां उन्होंने वहां के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ एक रैली की। यहां इस साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव होने हैं। मंच पर उनकी और नीतीश बाबू के बीच होती हंसी–ठिठोली की तस्वीरें व वीडियो लोगों को चकित करते रहे। उन्होंने सर्वदलीय बैठक में हिस्सा नहीं लिया और न ही सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाया जिसकी सम्पूर्ण विपक्ष मांग कर रहा था। जनता को भी इसकी अपेक्षा थी।

मोदी वही कहानी दोहराते नजर आ रहे हैं– न तो सर्वदलीय बैठक में जाना, न राष्ट्र के नाम संदेश प्रसारित करना और न ही संसद का विशेष अधिवेशन बुलाने की पेशकश को सुनना। गुरुवार की बैठक में शामिल लगभग सभी दलों ने एक बार फिर से इस बात की घोषणा की कि वे पूरी तरह से सरकार के साथ हैं और वह जो भी कदम उठाये, वे उसका समर्थन करते हैं। सेना से जुड़ी गोपनीय बातों का जिक्र नहीं करना है, इसलिए बैठक से बाहर आकर किसी नेता ने कोई ऐसा बयान नहीं दिया, जिससे असुविधा हो। अलबत्ता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री नहीं आए, हालांकि हम अभी इस बात के लिए उनकी आलोचना नहीं करेंगे, क्योंकि यह वक्त आलोचना का नहीं है। वहीं राहुल गांधी ने जरूर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग उठाई, ताकि दुनिया के सामने अच्छा संदेश जाए। पहले भी विपक्ष इस आशय की मांग कर चुका है।

बैसरन घाटी की घटना के बाद जब राहुल पहलगाम गये थे, उन्होंने साफ किया था कि वे किसी तरह की खामी या चूक की बात इस समय नहीं करेंगे। वे बाद में कई प्रभावित परिवारों से भी मिले थे, तब भी उन्होंने किसी भी प्रकार से सरकार की आलोचना नहीं की थी। ऐसे में जब विपक्ष बेहद जिम्मेदारी व संजीदगी के साथ सरकार को साथ दे रहा है, तब मोदी द्वारा सर्वदलीय बैठक में, वह भी दूसरी बार न आना दुखद ही कहा जायेगा। बेशक, बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्थिति की जानकारी दी। गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू भी इसमें मौजूद थे।

अलबत्ता महाराष्ट्र में कुछ भारतीय जनता पार्टी नेता के श्ऑपरेशन सिंदूरश की सफलता के पोस्टर भी लगने शुरू हो गये हैं जो बतलाता है कि किस प्रकार से भाजपा इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ लेने के लिए आमादा है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को चाहिये कि वे अपने नेताओं व कार्यकर्ताओं को इससे बाज आने के लिये कहे वरना माना जायेगा कि सरकार इस सारी कवायद का सियासी फायदा लेने की फिराक में है। यह शर्मनाक भी है कि सेना की सफलता का श्रेय पार्टी ले– चाहे वह सत्तारुढ़ ही क्यों न हो। ऐसे में जब समझिये कि लड़ाई लगभग छिड़ ही गयी है, सभी को अपने तमाम मतभेद व क्षुद्र हितों को छोड़कर एक–दूसरे के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़ा होना होगा।

हिंद की सेना का जवाब कि हां तुम एक विफल राष्ट्र हो

पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर का द्वि–राष्ट्रवाद के सिद्धांत का उल्लेख भी यही बताता है कि कैसे एक विफल राष्ट्र को जब–तब अपने किए–धरे को उचित बताने की नाकाम कोशिश करनी पड़ती है। इससे पहले मुनीर ने एक अन्य कार्यक्रम में कश्मीर को पाकिस्तान के श्गले की नसश बताया था। पाकिस्तान एक विफल राष्ट्र है क्योंकि इसका जन्म ही नफरत की बुनियाद पर हुआ है।

अंग्रेजों से आजाद होते ही भारत का बंटवारा हुआ और मानवता ने जिस वीभत्स मंजर को देखा, उसकी मिसाल कम मिलती हैं। कई कलाकार, लेखक और पॉलिटिशियन मजहब के आधार पर बंटे पाकिस्तान में चले तो गए लेकिन उम्र भर सिर्फ हिंदुस्तान को ही याद करते रहे, अपने दोस्तों से मिलने के लिए तड़पते रहे जैसे उन्हें यह अहसास हो गया था कि गलती हो चुकी है और समय का पहिया अब पीछे नहीं खींचा जा सकता। जो लिख सकते थे, उनके शब्दों में यह दर्द बयां हुआ और बाकी अपने दिलों में इस टीस के साथ जिंदा रहे। मशहूर और बेहतरीन कहानीकार सआदत अली हसन मंटो(दो दिन बाद उनकी सालगिरह है) उन्हीं में से एक थे। उन्होंने विभाजन के समय हुए दंगों की त्रासदी को भीतर तक उतारा और फिर पन्नों पर। टोबा टेकसिंह और ख्शोल दोश उनकी ऐसी ही महान रचनाएं हैं। मंटो दोस्तों को अक्सर लिखा करते थे कि, च्यार मुझे वापस बुला लो!ज् उन्होंने खुदकुशी की कोशिश भी की थी। उनकी ऐसी कई नज्मों का जिक्र और प्रकाशन विदेश सेवा के अधिकारी और सांसद रहे मणिशंकर अय्यर ने अपनी किताब श्पाकिस्तान पेपर्सश में किया है। रईस अमरोही की 1988 में एक कट्टरपंथी समूह ने उनकी लाइब्रेरी में ही हत्या कर दी। कट्टरपंथी केवल किसी धर्म के खिलाफ नहीं होते। वे हर उस व्यक्ति के खिलाफ होते हैं जो उदारता की बात करता है, तरक्की की बात करता है, शांति की बात करता है। वे खुद में एक जिंदा बम होते हैं।

ऐसे बीमार जिन्हें ताजा हवा कभी छूकर भी नहीं गुजरी होती। शक और डर में जीने वाले हैवानों का कुनबा जो निर्दोषों का खून बहाना जानता है। वे ही 22 अप्रैल को पहलगाम आए थे और कई स्त्रियों के सिंदूर उजाड़ गए। खुद मोहम्मद अली जिन्ना, जिन्हें पाकिस्तान का जनक और कायदे आजम बताया जाता है, वे भी अपनी जिन्दगी में ही अनुभूत कर चुके थे कि पाकिस्तान का बनाना उनकी गलती थी। वे पाकिस्तान बनने के बाद केवल एक साल जिंदा रहे। मजहब के आधार पर एक देश बनाने वाले ने कहा था– पाकिस्तान कोई ईश्वर शासित राज्य नहीं होगा जहां पीर–पुज्जे किसी खास मकसद से राज करेंगे। देश में कई गैर मुस्लिम भी हैं जिन्हें समान अधिकार होंगे और वे मिलकर पाकिस्तान की तरक्की में शामिल होंगे।श अफसोस ऐसा हो न सका क्योंकि बुनियाद ऐसी नहीं थी।

पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर का द्वि–राष्ट्रवाद के सिद्धांत का उल्लेख भी यही बताता है कि कैसे एक विफल राष्ट्र को जब–तब अपने किए–धरे को उचित बताने की नाकाम कोशिश करनी पड़ती है। इससे पहले मुनीर ने एक अन्य कार्यक्रम में कश्मीर को पाकिस्तान के श्गले की नसश बताया था।

इस बार वे खैबर–पख्तूनख्वा प्रांत के काकुल इलाके में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में कैडेट की पासिंग आउट परेड को संबोधित कर रहे थे। मुनीर ने कहा– द्वि–राष्ट्र सिद्धांत इस बुनियादी मान्यता पर आधारित था कि मुसलमान और हिंदू दो अलग–अलग मुल्क हैं, एक नहीं। मुसलमान जीवन के सभी पहलुओं– धर्म, रीति–रिवाज, परंपरा और सोच में हिंदुओं से अलग हैं।

तब सवाल यही है कि बांग्लादेश क्यों पाकिस्तान से अलग हुआ? पाक सेना के प्रमुख यहां बुरी तरह फेल हुए हैं और फेल हुआ है उनका मजहब के आधार पर दो राष्ट्र बनाने का सिद्धांत। अगर जो भारत के सियासी दल धर्म को सियासत में शामिल करते रहे तब पाकिस्तान जरूर बांग्लादेश से सांठगांठ कर बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। साफ है कि एक विफल राष्ट्र का सेनाध्यक्ष कैसे अपनी सोच को सही बताने के इरादे से कुतर्क का सहारा लेने लगता है, जबकि भारत का सच दुनिया के सामने है। इसकी वजह जिन्ना के समकालीन हमारे नेताओं की दृष्टि और सोच है।

पाकिस्तान के मजहबी आधार पर निर्माण के बावजूद उन्हें कोई दुविधा नहीं थी कि वे भविष्य में कैसा भारत बनाएंगे। उन्होंने विश्व का बेहतरीन संविधान गढ़ा। देश जहां हर वर्ग, धर्म के नागरिक समान और मौलिक अधिकारों के दायरे में होंगे। कोई भेदभाव नहीं होगा। आज भारत और पाकिस्तान दोनों कहां खड़े हैं? उसके पीछे 1947 की भीषण त्रासदी के बावजूद हमारे नेताओं की सर्वधर्म समभाव की सोच रही। इस सोच का परिचय भारतीय सेना ने बुधवार को तब भी दिया जब दो महिला अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दुनिया से साझा की। उन्होंने भारतीय सेना और वायु सेना की संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग की। विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने विदेश सचिव मिस्री के साथ ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देते हुए मंगलवार रात एक बजे से डेढ़ बजे तक पाकिस्तान में निशाना बनाए गए ठिकानों के नाम और विवरण साझा किए। सिग्नल कोर की अधिकारी सोफिया कुरैशी ने हिंदी में बात की, जबकि विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने अंग्रेजी में बात कही। कर्नल सोफिया ने 2016 में बहुराष्ट्रीय क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास में सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व भी किया था। उनके परिवार की पृष्ठभूमि सेना में सेवा देने की रही है। सोफिया कुरैशी के पिता ताज मोहम्मद कुरैशी ने कहा– श्हमें बहुत गर्व है।

हमारी बेटी ने हमारे देश के लिए बहुत बड़ा काम किया है। पाकिस्तान को नष्ट कर देना चाहिए। मेरे दादा, मेरे पिता और मैं सभी सेना में थे। अब वह भी सेना में है। ऑपरेशन सिंदूर के साथ यह काफी है पाकिस्तान को भारत के अब तक के सफर और सोच को बताने के लिए। उधर पाकिस्तान की सूचना मंत्री और पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खर ने कई विदेशी चौनलों को साक्षात्कार दिए लेकिन आतंकवादियों को पनाह देने के खिलाफ उनके पास कोई जवाब नहीं था क्योंकि पूरी दुनिया जानती है कि अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में घुसकर मारा था।

अमेरिका–चीन व्यापार वार्ता 9 मई से स्विट्जरलैंड में होगी शुरू

चीनी स्रोतों ने घोषणा के बाद कहा कि चीन की स्थिति सुसंगत है। चाहे टकराव हो या बातचीत, चीन का अपने विकास हितों की रक्षा करने का संकल्प कभी नहीं डगमगायेगा, न ही अंतरराष्ट्रीय निष्पक्षता और न्याय तथा वैश्विक आर्थिक और व्यापार व्यवस्था को बनाये रखने में उसका रुख और उद्देश्य कभी डगमगायेगा। अब यह आधिकारिक हो गया है। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा चीन के लिए अमेरिकी टैरिफ दरों को कम करने, वार्ता के लिए अपने इरादे की घोषणा करने, और उसके बाद कुछ दिनों तक प्रतीक्षा करने के बाद, चीन ने बुधवार की सुबह पुष्टि की कि एक उच्च स्तरीय चीनी वार्ता दल 9 मई से चार दिनों के लिए स्विट्जरलैंड का दौरा करेगा, जहां वह ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट के नेतृत्व में अमेरिकी उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता करेगा। यह राष्ट्रपति ट्रम्प और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दो कार्यालयों द्वारा पिछले कुछ दिनों में की गयी बैक चौनल चर्चाओं का परिणाम था। अमेरिका और चीन के बीच चल रहे टैरिफ युद्ध में, राष्ट्रपति ट्रम्प ने पिछले महीने के अंत में सबसे पहले तब कदम उठाया जब उन्होंने कुछ चीनी वस्तुओं पर दरें कम कीं और कहा कि वह राष्ट्रपति शी से बात करेंगे और मामले को सुलझा लेंगे। इसके तुरंत बाद उन्होंने कहा कि उन्होंने चीनी राष्ट्रपति से बात की। उन्हें बढ़ा–चढ़ाकर बात करने की आदत है। उन्होंने सीधे राष्ट्रपति शी से बात नहीं की, लेकिन उनके सलाहकार चीनी राष्ट्रपति के अधिकारियों के संपर्क में थे। इस तरह से ट्रंप ने शी के साथ अपनी बैठक के बारे में जो कहा, वह आधा सच था। दोनों राष्ट्रपतियों के अधिकारी बात कर रहे थे। अब कुछ बुनियादी बातों पर चर्चा के बाद, दोनों प्रतिनिधिमंडल चार दिनों के लिए तीसरे देश स्विट्जरलैंड में बैठक करेंगे, ताकि विस्तार से चर्चा की जा सके। व्यापार वार्ता इस बार निर्णायक नहीं हो सकती है, लेकिन इससे आगे की बैठकें आयोजित करने की प्रक्रिया आसान हो जायेगी, ताकि ट्रंप और शी आखिरकार मिल सकें और समझौते पर हस्ताक्षर कर सकें। यह याद रखना होगा कि व्यापार वार्ता उस समग्र समझौते का केवल एक हिस्सा है, जिसे ट्रंप अपने वैश्विक आख्यान के हिस्से के रूप में शी जिनपिंग के साथ करने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें समय लगेगा और अगर जरूरत पड़ी तो इसे अलग–अलग हिस्सों में बांटा जायेगा, ताकि कोई न कोई क्षेत्र प्रभावित न हों। चीनी स्रोतों ने घोषणा के बाद कहा कि चीन की स्थिति सुसंगत है। चाहे टकराव हो या बातचीत, चीन का अपने विकास हितों की रक्षा करने का संकल्प कभी नहीं डगमगायेगा, न ही अंतरराष्ट्रीय निष्पक्षता और न्याय तथा वैश्विक आर्थिक और व्यापार व्यवस्था को बनाये रखने में उसका रुख और उद्देश्य कभी डगमगायेगा। अगर हमें लड़ना होगा तो हम लड़ेंगे। अगर अमेरिका बात करना चाहता है तो हमारे दरवाजे खुले हैं। संवाद और बातचीत समानता, सम्मान और आपसी लाभ पर आधारित होनी चाहिए, प्रवक्ता ने आगे कहा।

गोरखपुर में वाहन से कुचलकर दो किशोरों की मौत

परिजनों ने प्रधान पर कुचलने का लगाया आरोप

गोरखपुर। मरने वाले युवकों की पहचान बेलीपार के चेरिया गांव निवासी ऊपेंद्र निषाद (20) पुत्र उदयभान व सागर कनौजिया (20) पुत्र हौसिला कनौजिया के रूप में हुई। दोनों युवक अपने गांव से पैदल महाबीरछपरा बाजार जा रहे थे। गोरखपुर के बेलीपार थाना क्षेत्र के कालाबाग में प्रधान की गाड़ी से कुचलकर दो किशोरों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मारने वाले किशोरों के परिजन ने प्रधान पर कुचलने का आरोप लगाया है।
मरने वाले युवकों की पहचान बेलीपार के चेरिया गांव निवासी ऊपेंद्र निषाद (20) पुत्र उदयभान व सागर कनौजिया (20) पुत्र हौसिला कनौजिया के रूप में हुई। दोनों युवक अपने गांव से पैदल महाबीरछपरा बाजार जा रहे थे। बताया जा रहा है कि प्रधान की गाड़ी बहुत तेज गति से जा रही थी। परिजनों की शिकायत है कि प्रधान ने जानबुझकर कुचला है। दुर्घटना के बाद प्रधान गाड़ी छोड़कर फरार हो गया।

गोरखपुर में खुलेगा इंस्टीट्यूट आफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर

संवाददाता, गोरखपुर। गोरखपुर में भी इंस्टीट्यूट आफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर (आइडीटीआर) खुलेगा। शासन के दिशा–निर्देश पर जिला प्रशासन ने रिसर्च सेंटर निर्माण के लिए परिवहन विभाग के सहयोग से चरगांवा स्थित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन के पास लगभग चार एकड़ भूमि चिह्नित कर लिया है। चिह्नित भूमि पर शासन की मुहर लगते ही निर्माण की प्रक्रिया आरंभ हो जाएगी। इंस्टीट्यूट आफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर खुल जाने से यातायात प्रबंधन तो बेहतर बनेगा ही, ड्राइविंग कौशल में भी सुधार होगा। इंस्टीट्यूट आफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर मार्ग दुर्घटनाओं पर पूरी तरह अंकुश लगाने की तरफ एक अहम कदम साबित होगा।
रायबरेली में प्रदेश का पहला आइडीटीआर सेंटर खुला है। प्रदेश के सभी मंडल व संभाग में एक–एक आइडीटीआर सेंटर खोले जाने हैं। गोरखपुर में भूमि चिह्नांकन के साथ आइडीटीआर सेंटर खोले जाने की भी प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। आइडीटीआर सेंटर का निर्माण पीपीपी मॉडल पर होगा।
जानकारों का कहना है कि आइडीटीआर सेंटर का उद्देश्य ड्राइविंग कौशल में सुधार करना, सड़क सुरक्षा में सुधार करना और यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाना है। सेंटर में चालकों के अलावा संबंधित कर्मियों व अधिकारियों को भी यातायात की जानकारी व प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।
इंस्टीट्यूट में आवासीय सुविधा के साथ विभिन्न जलवायु और सड़क, पहाड़, नदी, घाटी की टर्फ कंडीशन के अनुसार वाहनों को चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। ट्रैक के अलावा सिमुलेटर के माध्यम से भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

युवक ने पाकिस्तान के समर्थन में लगाया ऐसा स्टेटस, लोगों ने पकड़कर की धुनाई

गोरखपुर। स्टेटस धीरे–धीरे पूरे नगर में फैल गया। इसके बाद राष्ट्रवादी युवाओं की टीम उसके घर पर पहुंची और उसे पकड़ लिया। स्टेटस लगाने का मकसद पूछने पर उसने कहा कि मेरी जैसी मर्जी होगी वह करुंगा। पाकिस्तान से तनातनी के माहौल के बीच उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर के विधियानी मोहल्ले में नाई की दुकान चलाने वाले एक युवक ने पाकिस्तान के समर्थन में पोस्ट लगाकर अपने स्टेटस पर डाल दिया। इसके बाद मोहल्ले के राष्ट्रवादी लोगों के बीच आक्रोश हो गया। सुबह साढ़े आठ बजे के करीब आक्रोशित जनता ने उसे पकड़ लिया और उसकी धुनाई कर मुकामी पुलिस को सौंप दिया।
कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के सहसराव माफी गांव का एक युवक रोजन अली विधियानी मोहल्ले में रहता है और नाई का काम करता है। बृहस्पतिवार की सुबह उसने अपने व्हाट्सअप पर पांच स्टेटस लगाए। इन स्टेटस में लिखा था कि पाकिस्तान के साथ युद्ध के बाद क्या होगा। इसमें उसने अमिताभ बच्चन, सैफ अली खान, सलमान खान, करीना कपूर समेत कई फिल्म अभिनेताओं के हाथ में पाकिस्तान का झंडा लेकर लहराते हुए दिखाया था। यह लिखा गया था कि पाकिस्तान आफ्टर वार..., एक स्टेटस में सफेद रंग की पाकिस्तान लिखी हुई टीशर्ट पहने हुए स्टेटस लगाया था और हाथ में नंगी तलवार थी। यह स्टेटस धीरे–धीरे पूरे नगर में फैल गया। इसके बाद राष्ट्रवादी युवाओं की टीम उसके घर पर पहुंची और उसे पकड़ लिया। स्टेटस लगाने का मकसद पूछने पर उसने कहा कि मेरी जैसी मर्जी होगी वह करुंगा। उसने यहां तक कह दिया कि इस धरती पर युद्ध के बाद पाकिस्तान पर कब्जा होगा।
यह सुनकर लोग आक्रोशित हो गए और उसकी जमकर पिटाई कर दी।सूचना पर पहुंची कोतवाली खलीलाबाद की पुलिस आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया और लोगों से शांत रहने की अपील भी की। वहीं युवक के पिटाई का वीडियो भी वायरल हो रहा है। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करती है।

युवक के अराजक तत्वों के साथ संबंधों का पता लगाए पुलिस

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े कार्यकर्ता शुभम राय ने बताया कि जब उससे पूछा गया कि उसने ऐसा क्यों किया है, तो भारत पाकिस्तान पर बम गिरा रहा है, जिससे वहां के लोग मर रहे हैं। इसी को लेकर इस प्रकार का स्टेटस डाला है। उसको यह कार्य करने के लिए विधियानी के कुछ लोगों ने रात में कहा था। उन्हीं के कहने पर यह स्टेटस लगाया था। ऐसे लोगों की भी खोज की जानी चाहिए, तथा उनके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

विधियानी के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मांगी माफी

इस दौरान विधियानी मोहल्ले के मुस्लिम समुदाय के भी काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए थे। लोगों का कहना था कि उसने अज्ञानतावश ऐसा कर दिया था। उसकी तरफ से हम लोग माफी मांगते हैं। हम लोग हिन्दुस्तान के हैं और पाकिस्तान को प्रेम करने वालों से हमारा कोई संबंध नहीं है। मुस्लिम समुदाय के बुजुर्गों ने भी माफी मांगी। इसके बाद लोगों का क्रोध शांत हो सका।
विधियानी के एक युवक द्वारा सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के झंडे के साथ पोस्टर बनाकर डाला गया था। स्टेटस पर पाकिस्तान आफ्टर वार लिखा गया था। युवक की पहचान कर ली गई है। उसको हिरासत में ले लिया गया है तथा उसपर केस दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।
–सुशील कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, संतकबीरनगर

गोरखपुर टोल प्लाजा के पास अंधाधुंध फायरिंग से मचा हड़कंप

गोरखपुर के सहजनवां में तेनुआ टोल प्लाजा के पास बोलेरो सवार युवकों ने कार सवार शुभम यादव और अनिल चौहान पर फायरिंग कर दी जिसमें दोनों घायल हो गए। शुभम को गंभीर चोटें आई हैं। शुरुआती जांच में पुरानी रंजिश का मामला सामने आ रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

संवाददाता, सहजनवां (गोरखपुर)। तेनुआ टोल प्लाजा के पास गुरुवार की शाम बोलेनों सवार युवकों ने कार सवार युवकों पर फायरिंग कर दी। इसमें गगहा थाना के पंडित नगवां निवासी शुभम यादव और मंझरिया के अनिल चौहान घायल हो गए। इसमें शुभम के हाथ और सीने में गोली लगने से उसकी हालत गंभीर है। वहीं अनिल के हाथ में गोली लगी है और एक गोली सीने को छूते हुए निकल गई है। आरोप है कि गोली चलने पर चालक कार लेकर भागने लगा। इसके बाद भी युवकों ने पीछा कर कई राउंड गोली चलाई। बीआरडी मेडिकल कालेज में दोनों का उपचार चल रहा है। गगहा थाना क्षेत्र से एक बारात गुरुवार को गीडा थाना क्षेत्र के तेनुआ गांव में आ रही थी। शुभम यादव और अनिल चौहान अर्टिगा से बारात जा रहे थे। इनके साथ कुछ और लोग भी बैठे थे। कार तेनुआ टोल प्लाजा से पहले खानिमपुर अंडर पास के करीब पहुंची थी।

धूप की तेजी से तापमान ने पकड़ा जोर

गोरखपुर में मई के पहले सप्ताह में राहत के बाद अब गर्मी ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है जिससे दिन और रात दोनों ही गर्म हो गए हैं। मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय ने बताया कि आने वाले दिनों में तापमान और भी बढ़ेगा जिससे लोगों को अधिक गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

गर्मी दिखाने लगी प्रचंड रूप, प्रभावित करने लगी दिनचर्या
न्यूनतम तापमान पहुंचा 25 डिग्री के करीब, रात भी हुई गर्म

संवाददाता, गोरखपुर।वर्षा की सह पाकर पहले सप्ताह गर्मी से राहत देने वाली मई ने वायुमंडलीय परिस्थितियां बदलते ही सताना शुरू कर दिया है। मौसम साफ होने पर धूप तेज हो गई है और तापमान ने जोर पकड़ लिया है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। इसके चलते दिन के साथ–साथ रात में भी गर्मी ने प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है। मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय के अनुसार गर्मी बढ़ने का यह सिलसिला फिलहाल जारी रहेगा। दिन का पारा पारा 40 डिग्री के पार जाएगा। रात का तापमान भी 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकार्ड किया जाएगा। आंकड़ों की बात करें तो गुरुवार का अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ। यह तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक होने के चलते लोगों को दिन में अपेक्षाकृत अधिक गर्मी का अहसास हुआ। गुरुवार का अधिकतम तापमान बुधवार के मुकाबले 2.6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जिससे रात को भी गर्मी से राहत नहीं मिली। न्यूनतम तापमान में बीते दिन के मुकाबले दो डिग्री सेल्सियस अधिक रिकार्ड हुआ। धूप की तेजी के चलते आर्द्रता का प्रतिशत भी गिरता जा रहा है। अधिकतम आर्द्रता का प्रतिशत 50 के नीचे चला गया। यह 49 प्रतिशत रिकार्ड हुआ। न्यूनतम आर्द्रता 32 प्रतिशत दर्ज की गई। इसके चलते गर्मी की शुष्कता बढ़ गई। धूप अपेक्षाकृत अधिक तेज हो गई।

देवरिया में कौव्वाल समीम ने कहा– मुझसे ना टकराएं... चीन हो या पाकिस्तान, मेरे भारत से टकराना– नहीं आसान

देवरिया। सेल्हरापुर में प्रसिद्ध सूफी संत सैयद यासीन शाह की दरगाह पर चल रहे तीन दिवसीय 44 वें सालाना उर्स के समापन अवसर पर सरकारी चादर गागर के दौरान दरगाह के आस–पास जायरीन का जत्था हाथ में प्रसाद लिए इकट्ठा होकर मन्नतें पूरी होने पर बाबा का जयकारे लगाए। क्षेत्र के सेल्हरापुर में सैयद यासीन शाह के दरगाह पर चल रहे 44 वें सालाना उर्स का बृहस्पतिवार को समापन हो गया। इस दौरान दरगाह प्रमुख ने दूरदराज से पहुंचे जायरीन की सलामती के लिए बाबा से दुआएं मांगी। बुधवार की पूरी रात बाबा की शान में कौव्वालों ने कौव्वाली प्रस्तुत कर समां बांध दिया। इस दौरान अलीगढ़ से पहुंचे कौव्वाल समीम अनवर ने षुझसे न टकराएं कोई चीन हो या पाकिस्तान.. मेरे भारत से टकराना अब यह खेल नहीं है आसान प्रस्तुत करते ही तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा महफिल गूंज उठा। उर्स समापन के बाद दूसरे प्रांतों से आए जायरीन अपने गन्तव्य को निकल गए।
सेल्हरापुर में प्रसिद्ध सूफी संत सैयद यासीन शाह की दरगाह पर चल रहे तीन दिवसीय 44 वें सालाना उर्स के समापन अवसर पर सरकारी चादर गागर के दौरान दरगाह के आस–पास जायरीन का जत्था हाथ में प्रसाद लिए इकट्ठा होकर मन्नतें पूरी होने पर बाबा का जयकारे

सेल्हरापुर में सैयद यासीन शाह की दरगाह पर चल रहे तीन दिवसीय 44 वें सालाना उर्स का समापन हुआ –

लगाए। दरगाह प्रमुख सैयद शकील अहमद शाह, सैयद मेहंदी हसन शाह और सैयद नूर हसन शाह ने बाहर से पहुंचे जायरीन को पुनः उनके गंतव्य तक सही सलामत पहुंचने के लिए बाबा से दरखास्त की। उधर, सूफी महफिल में जौनपुर निवासी एवं अजमेर शरीफ से सूफी कौव्वाली के बादशाह कहे जाने वाले सुल्तान सादरी ने सैयद यासीन शाह से मांग लो सदका हुसैन..।। अली मौला..मनकुंतों मौला प्रस्तुत कर महफिल में समां बांध दिया।
इसके बाद अलीगढ़ से आए समीम अनवर ने ए साजा का है हिन्दुस्तान, मत टकराएं हमसे चीन और पाकिस्तान मिट्टी में मिल जाएगा जो आंख दिखाएगा सहित अन्य प्रस्तुति देकर महफिल में समां बांध दिया।

कुल दुआ की रस्म के साथ उर्स का हुआ समापन

खुखुंदू। उर्स के आखिरी पड़ाव को कुल दुआ कहते है। इसी रस्म के बाद दरगाह प्रमुख समेत सभी जायरीन ने इकठ्ठा होकर बाबा से सलामती की दुआएं की। इसके साथ ही बाबा से अर्जी लगाई गई कि जिस तरह से हाजिरी लगी है, हमारी अर्जी कबूल करिए और फिर से हमें बुलाइए। हम हंसते हुए यहां आएं। इस दौरान देशी घी से बने लड्डू प्रसाद के रुप में वितरित किया गया। यही प्रसाद जायरीन अपने घरों को लेकर जाते हैं।

सीएम योगी बोले- सोशल मीडिया की अफवाहों से बचें...

लखनऊ। भारत पाकिस्तान के बीच जारी संघर्ष के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता से सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों से दूरी बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अफवाहों पर यकीन न करें। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पहलगाम पर हमला किया था... प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प था और हमारे सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है... हमें अपने सशस्त्र बलों के साथ खड़ा होना है और उनका मनोबल बढ़ाना है... आज आप पाकिस्तान को दुनिया के सामने कराहते हुए देख सकते हैं... सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अफवाहें फैलाई जाएंगी। हमें प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में काम करते रहना है। भारत हर परिस्थिति में विजयी है और आगे भी विजयी रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी लखनऊ के महाराणा प्रताप चौक, हुसैनगंज चौराहा के पास महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा के सौन्दर्यीकरण का लोकार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

प्रशासन ने कसी कमर, लगातार की जा रही निगरानी

बता दें कि देश में तनावपूर्ण हालातों के बीच छावनी, रेलवे, एयरपोर्ट प्रशासन ने कमर कस ली है। इन जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सभी जगह एंट्री व निकासी पर कड़ी जांच की जा रही है। रेलवे स्टेशनों की निगरानी ड्रोन से करने की तैयारी है। ट्रेनों में आरपीएफ एस्कॉर्ट बढ़ाया जा रहा है तथा एयरपोर्ट पर बुलेटप्रूफ गाड़ियों से गश्त बढ़ाई गई है। सेना का खुफिया तंत्र भी मुस्तैद हो गया है। हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

जब पाकिस्तानी पायलटों को जान बचाकर भागना पड़ा

भारतीय एयरफोर्स ने दिया मुंहतोड़ जवाब, 1971 में जानें क्या हुआ

आगरा। पाकिस्तान ने जब-जब भारत की तरफ अपने कदम बढ़ाए, तब उसे सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। 1971 के युद्ध के दौरान यही हुआ। जब भारतीय एयरफोर्स के आगे पाकिस्तानी पायलटों के पसीने छूट गए। उन्हें जान बचाना मुश्किल पड़ गया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने देश के 15 शहरों पर हमले की कोशिश की, जो नाकाम कर दी गई। ठीक 54 साल पहले 3 दिसंबर, 1971 को भी पाकिस्तानी एयरफोर्स ने एक साथ 9 एयरबेस पर हमला किया था। आगरा एयरफोर्स स्टेशन पर किए गए हमले का ऐसा मुंहतोड़ जवाब दिया गया कि पाकिस्तानी पायलटों को जान बचाकर भागना पड़ा था।

पाकिस्तान के विमानों ने किया था हमला

अमर उजाला आर्काइव के पन्नों में वर्ष 1971 के युद्ध का ब्योरा दिया गया है। 4 दिसंबर, 1971 को प्रकाशित खबर में बताया गया है कि रात 9 से 11 बजे के बीच ऑपरेशन चंगेज खां के तहत दो बार आए पाकिस्तानी विमानों बी-57 पर खेरिया हवाई अड्डे से विमानभेदी तोपों से हमला किया गया। इनमें से एक विमान पर तोप का गोला लगा था। उसके कुछ हिस्से टूटकर कीठम और रैपुरा जाट के पास गिरे, जिनकी तलाश आगरा के तत्कालीन डीएम प्रताप सिंह, मथुरा के डीएम एपी सिंह के साथ पुलिस फोर्स ने की।

पाकिस्तानी विमान और मिग में हुई थी भिड़ंत

5 दिसंबर, 1971 को प्रकाशित खबर में कहा गया कि एयरफोर्स के मिग विमान ने पाकिस्तानी विमानों पर मिसाइल दागी। आगरा के आसमान पर पाकिस्तानी विमान और मिग की जोरदार भिड़ंत हुई, इसके बाद पाकिस्तानी पायलटों को यहां से जान बचाकर भागना पड़ा। इस दौरान पाकिस्तानी विमान के कुछ टुकड़े भरतपुर-बयाना रोड के पास सीगोरा बसई और भरसानी के बीच गिरने की खबर आई।

आगरा का वो जांबाज

जो 1971 के युद्ध से पाकिस्तानी जेल में बंद...

54 साल से सुहाग के इंतजार में वीरांगना

आगरा। 1971 में आगरा हवाई अड्डे पर हमले के जवाब में पाकिस्तान पर हमला करने के बाद फ्लाइट लेफ्टिनेंट मनोहर पुरोहित नहीं लौटे। मनोहर पुरोहित की पत्नी सुमन पुरोहित ने 54 साल बाद भी अपने पति के वापस आने की उम्मीद नहीं खोई है। 1971 में युद्ध बंदी फ्लाइट लेफ्टिनेंट मनोहर पुरोहित की वीरांगना सुमन पुरोहित पति की तस्वीर को निहारत

पाकिस्तान में आतंकी ठिकाने नष्ट करने पर वर्ष 1971 के युद्ध की जीत ताजा हो गईं। इसमें वीर सपूत फ्लाइट लेफ्टिनेंट मनोहर पुरोहित पाकिस्तान में बम बरसाकर देश लौट नहीं पाए। लौटते वक्त बॉर्डर पर इनका विमान क्रैश होकर भारतीय क्षेत्र में गिरा। वर्ष 1972 में पाकिस्तान से आई चिट्ठी से इनके युद्ध बंदी होने का पता चला। वापसी के लिए इनकी वीरांगना के सारे जतन बेकार गए। मगर, उम्मीद टूटी नहीं है और 54 साल से इनका सिंदूर सुहाग के इंतजार में है। साकेत कॉलोनी शाहगंज निवासी सुमन पुरोहित (77) से जैसे ही 1971 युद्ध का जिक्र किया, वो गुमसुम हो गईं। कुछ देर मौन रहने के बाद बोलीं 1970 में शादी हुई थी और पति आगरा हवाई अड्डे पर तैनात थे। 3 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने आगरा हवाई अड्डे पर हमला कर दिया। 8 दिसंबर की शाम को घर आए और इतना ही बोले कि ऑपरेशन पर जा रहा हूं। 9 दिसंबर को पाकिस्तान के लोधरन रेलवे यार्ड पर बम बरसाकर लौटते वक्त सीमा के नजदीक पति का विमान क्रेश हो गया। वह भारत के बीकानेर में गिरा।

विमान में पति का शव नहीं था। 1972 में पाकिस्तान से एक सैन्य अफसर का पत्र आया, जिसमें पति को युद्ध बंदी बनाने की जानकारी हुई। ऐसे और भी सैनिकों का पता चला, जिसके बाद सेना की ओर से 54 युद्ध बंदियों की सूची जारी हुई। 54 साल बीत गए, मुझे आज भी इनके आने का इंतजार है। पहलगाम आतंकी हमले पर वो बोलीं, बेटियों के सामने उनका सुहाग उजाड़ दिया। प्रधानमंत्री मोदीजी ने बेटियों के सिंदूर की लाज रख ली।

मुशर्रफ से मिले, नहीं किया सहयोग

2001 में आगरा में शिखर वार्ता के दौरान पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ से मिले और उन्होंने पाकिस्तान बुलाया। कराची, लाहौर समेत 14-15 जेलों को देखा, वहां रिकॉर्ड उर्दू में और अधूरे थे। कोई उर्दू नहीं पढ़ सकता था। जेलों में भारतीय मछुआरे और भूल से बॉर्डर पार करने वाले लोग भी कैद थे। सेना के अधिकारियों के सामने वे कुछ नहीं बता पाए, लेकिन उन्होंने जेल के अंदर गुप्त बैरक की ओर इशारा किया। इस पर भारतीय कैदियों के रिकॉर्ड मांगे तो बोले कि बकरी खा गई हैं। कोई सुनवाई नहीं हुई और मायूस होकर लौट आए।

जीता भूभाग- 54 सैनिक नहीं ला पाई सरकार

फ्लाइट लेफ्टिनेंट मनोहर पुरोहित के बेटे विपुल पुरोहित ने बताया कि पिता की वापसी के लिए मेरी मां ने संघर्ष किया। सेना के अधिकारियों और नेताओं से मिलीं, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला। बड़ी विडंबना है कि 1971 में 93 हजार सैनिक और जीती हुई हजारों किमी जमीन पाकिस्तान लौटा दिया, लेकिन तत्कालीन सरकार 54 युद्ध बंदियों को वापस नहीं ला पाई। मां और मुझे जीवन भर टीसता रहेगा।

अखिलेश यादव की मांग महाराणा प्रताप जयंती पर दो दिन का हो सार्वजनिक अवकाश

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जब सपा की सरकार बनेगी तो गोमती रिवरफ्रंट पर महाराणा प्रताप की मूर्ति लगेगी और उनके हाथ में चमकती हुई सोने की तलवार होगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि राजनीति में महापुरुषों को नहीं लाना चाहिए और न ही किसी दल को इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने महाराणा प्रताप की जयंती पर दो दिन का सार्वजनिक अवकाश दिए जाने की मांग भी की साथ ही कहा कि भाजपा के एजेंडे में न कभी नौकरी रही और न कारोबार।

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने प्रदेश सपा मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर गोमती रिवर फ्रंट पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाई जाएगी जिसके हाथ में चमकती हुई सोने की तलवार होगी।

एक सवाल के जवाब में अखिलेश ने कहा कि महाराणा प्रताप किसी एक जाति के नहीं हैं, बल्कि सभी के हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के एजेंडे में कारोबार नहीं है, इसलिए सैकड़ों वर्षों से लग रहे मेलों का विरोध कर रही है।

उन्होंने कहा कि जब देश युद्ध में उलझा हुआ है सरकार गुपचुप ढंग से एलओआई (आशय पत्र) जारी कर रही है। उधर, प्रदेश सपा मुख्यालय पर शुक्रवार को क्षत्रियों के प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप, पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह और पूर्व सांसद अरविंद सिंह का विशेष सहयोग रहा।

छावनी,रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ी, खुफिया तंत्र सक्रिय

लखनऊ। भारत और पाकिस्तान के बीच बने तनाव के बीच प्रदेश में छावनी, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लगातार सुरक्षाकर्मी गश्त कर रहे हैं। रेलवे में छुट्टियां निरस्त की जा सकती हैं। देश के युद्घ के हालातों के बीच छावनी, रेलवे, एयरपोर्ट प्रशासन ने कमर कस ली है। इन जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सभी जगह एंट्री व निकासी पर कड़ी जांच की जा रही है। रेलवे स्टेशनों की निगरानी ड्रोन से करने की तैयारी है। ट्रेनों में आरपीएफ एस्कॉर्ट बढ़ाया जा रहा है तथा एयरपोर्ट पर बुलेटप्रूफ गाड़ियों से गश्त बढ़ाई गई है। सेना का खुफिया तंत्र भी मुस्तैद हो गया है। हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

छावनी -सुरक्षा बढ़ी, खुफिया तंत्र मुस्तैद

बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के मिसाइल हमलों के प्रयास के बाद भारत ने जबरदस्त जवाबी कार्रवाई की है। चूंकि लखनऊ में सेना की सबसे बड़ी मध्य कमान का मुख्यालय है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को और भी पुख्ता किया गया है। सूत्र बताते हैं कि छावनी में सभी प्रवेश मार्गों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सीसीटीवी से हर आने-जाने वालों पर नजर रखी जा रही है। वाहनों की भी जांच हो रही है। प्रपत्र व पहचान पत्र जांचे जा रहे हैं। संदिग्धों पर खास नजर है। कमांड अस्पताल व बेस अस्पताल के आसपास सुरक्षा बढ़ाई गई है। सूत्र बताते हैं कि सेना का खुफिया तंत्र और लोकल इंटेलीजेंस छावनी के साथ शहर के अलग-अलग प्रमुख इलाकों पर पैनी नजर रखे हुए हैं। सिविल पुलिस, सेना, आईबी आदि के साथ समन्वय स्थापित कर सूचनाओं को साझा भी किया जा रहा है।

रेलवे - ड्रोन से होगी रेलवे स्टेशन और रूट की निगहबानी

युद्ध की स्थिति को देखते हुए रेलवे प्रशासन आरपीएफ व जीआरपी जवानों की छुट्टियां रद्द कर सकता है। इसके लिए जवानों को सूचित किया गया है, हालांकि अफसर अभी खुलकर कुछ नहीं बता रहे। स्टाफ की कमी के चलते छुट्टियां निरस्त कर सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाने की तैयारी है। रेलवे सूत्र बताते हैं कि चारबाग व लखनऊ जंक्शन सहित प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर ड्रोन से निगरानी की जाएगी। अफसर इसकी तैयारी में जुट गए हैं। ड्रोन का ऑपरेशन कंट्रोल रूम से किया जाएगा। स्टेशनों पर इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी सिस्टम को अपग्रेड किया गया है। 155 सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जा रही है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज बोले- हम ब्रह्मचारी

मेरठ। जगदगुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि हम ब्रह्मचारी देश की सेवा में सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने को तैयार हैं। पढ़ें उनका राष्ट्रभक्ति से भरा संदेश। हम ब्रह्मचारी हैं, लेकिन देश की खातिर सेना के साथ मिलकर लड़ने को, हर मोर्चा संभालने को तैयार हैं। पढ़ाई के दौरान एनसीसी का प्रशिक्षण लिया हुआ है और सर्टिफिकेट भी है। हम किसी भी प्रकार के सैन्य शिविर में जाने को तैयार हैं। यह समय सभी द्वेषभाव भुलाकर एकजुटता दिखाते हुए देश के लिए खड़ा होने का है। यह बातें ज्योतिष पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने वीडियो जारी करके कही हैं। मेरठ प्रवास पर आए जगदगुरू शंकराचार्य मवाना रोड डिफेंस कॉलोनी में कारोबारी सुदीप अग्रवाल के यहां रुके थे। शुक्रवार सुबह शंकराचार्य रवाना हो गए। उससे पहले उन्होंने 6 मिनट 15 सेकंड का वीडियो जारी किया। वीडियो में उन्होंने कहा पाकिस्तान के आतंकवादियों ने भारत में आकर लोगों की हत्या की। अब भारत ने जवाब दिया तो पाकिस्तान ने ड्रोन, मिसाइलों से हमला किया लेकिन हमारे सेना ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए उनके हमले को नाकाम कर दिया है। यह समय एक दूसरे से भेदभाव भूलकर एकजुटता दिखाते हुए देश के लिए खड़ा होने का समय है।

जहां हमें भेजा जाए, वहां जाने को तैयार

उन्होंने कहा कि वैसे तो हम ब्रह्मचारी है, लेकिन देश की खातिर सेना के साथ हर कार्य करने को तैयार हैं। पढ़ाई के दौरान हमने एनसीसी की ट्रेनिंग ली हुई है, उसका सर्टिफिकेट भी है, जिसके चलते सैन्य कार्य की जानकारी है। जहां हमें भेजा जाएगा, वहां जाने को तैयार हैं। देश को कमजोर करने या खतरे में डालने का प्रयास करने वालों को ऐसा सबक सिखाया जाए जिससे वह अपनी भूल का अनुभव कर सकें।

तीन बड़े युद्ध में अहम भूमिका निभा चुका है मध्य वायु कमान

प्रयागराज। पाकिस्तान से हुए तीन सीधे युद्ध में प्रयागराज स्थित मध्य वायु कमान (सीएसी) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 1965, 1971 एवं 1999 में हुई जंग में कमान ने हवाई शक्ति प्रदर्शन कर देश की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पाकिस्तान से हुए तीन सीधे युद्ध में प्रयागराज स्थित मध्य वायु कमान (सीएसी) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 1965, 1971 एवं 1999 में हुई जंग में कमान ने हवाई शक्ति प्रदर्शन कर देश की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। खास बात यह है कि वायु सेना प्रमुख अमर प्रीत सिंह मध्य वायु कमान में चीफ मार्शल रह चुके हैं। मध्य वायु कमान तमाम ऑपरेशनों में अपनी अपेक्षाओं पर खरा उतरा है। चाहे वह ऑपरेशन पवन हो, ऑपरेशन कैक्टस हो या ऑपरेशन सफेद सागर। इसमें कमान के जांबाजों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। मध्य वायु कमान मुख्यालय की स्थापना जून, 1963 में कोलकाता के रानी–कुटीर में की गई थी। तब इसके उत्तरदायित्व क्षेत्र में उत्तर प्रदेश, बिहार और अन्य मध्य भारतीय क्षेत्र शामिल थे। फरवरी, 1966 में मध्य वायु कमान मुख्यालय को बमरौली, प्रयागराज (तत्कालीन इलाहाबाद) में स्थानांतरित कर दिया गया। प्रयागराज का वायुसेना स्टेशन बमरौली, जो मुख्यालय सीएसी के साथ सह–स्थित है, पहले एक नागरिक हवाई क्षेत्र था। मुख्यालय सीएसी को प्रयागराज में स्थानांतरित करने के बाद, यह हवाई क्षेत्र भारतीय वायुसेना का परिवहन बेस बन गया। अपनी स्थापना के बाद से ही मध्य वायु कमान ने एक शानदार युद्ध रिकॉर्ड भी बनाया है। यह कमान सभी महत्वपूर्ण रणनीतिक स्क्वाड्रनों का बेस भी रहा है। 1965 और 1971 के दौरान भारत–पाक संघर्षों और 1999 में कारगिल युद्ध में यहां के स्क्वाड्रनों ने शानदार प्रदर्शन किया। वर्ष 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध में, मध्य वायु कमान ने पूर्वी पाकिस्तान में हवाई संचालन का नेतृत्व किया था। सीएसी के तहत डेवन्स, लिबरेटर्स, पैकेट, जीएनएटी, वैम्पायर, डकोटा, कैनबरा, बेल जी2 और जीआरएम, एसयू–7 और एसयू–30 एमकेआई, जगुआर, मिराज–2000, मिग श्रृंखला के एसी, एवीआरओ, एएन–12 और एएन–32, आईएल–76 और आईएल–78 एमकेआई, चेतक, चीता, एमआई–4 जैसे विमानों का संचालन हो चुका है। कमान के पास वर्तमान में मौजूद विमान किसी भी लक्ष्य को तलाशने, उस पर हमला करने और उसे नष्ट करने में सक्षम हैं। इसके अलावा, सीएसी में विभिन्न वायु रक्षा रडार और सतह से हवा में मार करने वाली तमाम आधुनिक मिसाइलें भी हैं। इस वजह से यहां भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमता को कई गुना बढ़ा दिया है।

प्राकृतिक आपदाओं में चुनौतियों का सामना

नेपाल में आया हुआ भूकंप हो या फिर बिहार की बाढ़। ऐसी तमाम आपदाओं के समय मध्य वायु कमान ने चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। आपदाओं में राहत कार्यों में सीएसी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ में बाढ़ राहत, ओडिशा में चक्रवात आने के बाद वहां राहत बचाव कार्य में सीएसी आगे रहा है। 'दमनीयः आत्मशत्रवः' मध्य वायु कमान का आदर्श वाक्य है। इसका अर्थ है शत्रु का दमन करो। शत्रु का दमन करने में मध्य वायु कमान हमेशा आगे रहा है। – समीर गंगाखेड़कर, ग्रुप कैप्टन एवं पीआरओ रक्षा मंत्रालय

कर्नल सोफिया–बबीना में प्रशिक्षण...

शत्रु को समझाया सिंदूर का दम झांसी में बतौर मेजर पद पर थीं तैनात

भट्टागांव में खुशी जाहिर करते कर्नल सोफिया कुरैशी के परिजन

झांसी । कर्नल सोफिया का झांसी के बबीना में प्रशिक्षण हुआ था। झांसी में बतौर मेजर पद पर तैनात थीं। उन्होंने शत्रु को शसिंदूर का दम समझाया। परिजनों ने जश्न मनाया। कहा कि बेटी ने गर्व से सिर ऊंचा कर दिया। हमें तुम पर नाज है। भारत की एयर स्ट्राइक ने पूरे देश को गर्व से भर दिया, लेकिन बुंदेलखंड के लिए यह दोहरे गर्व का मौका रहा। जिन कर्नल सोफिया कुरैशी के जरिये पूरी दुनिया ने पाकिस्तान में आतंकी हरकतों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर का सच जाना, उनका जन्म न सिर्फ बुंदेलखंड में हुआ बल्कि दुश्मनों को मात देने का हुनर भी उन्होंने झांसी में सीखा। झांसी में कर्नल सोफिया बतौर मेजर तैनात रहीं। कई सैन्य अभियानों की अगुवाई कीं। कर्नल सोफिया के बड़े ताऊ का परिवार भट्टागांव में रहता है। आतंकी शिविरोंपिर भारत के हमले के बाद बुधवार को उनके यहां जश्न छाया गया। परिजन ने सिर्फ यही कहा, बेटी ने आज गर्व से सिर ऊंचा कर दिया।

12 दिसंबर 1975 को हुआ था सोफिया का जन्म

छतरपुर के नौगांव निवासी सोफिया का जन्म 12 दिसंबर 1975 को हुआ था। उनके चाचा वली मोहम्मद नौगांव में रहते हैं। सोफिया के चचेरे भाई एवं मैकेनिकल इंजीनियर मोहम्मद रिजवान ने अमर उजाला को बताया कि सोफिया की शुरुआती पढ़ाई यहीं से हुई। वह हमेशा से पढ़ाई में जहीन रहीं।

लेफ्टिनेंट बनने के बाद पदोन्नति मिलने पर हुई कैप्टन

शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) के माध्यम से भारतीय सेना में चयन के बाद पीएचडी और टीचिंग करियर भी छोड़ दिया। उनका कहना है कि लेफ्टिनेंट बनने के बाद पदोन्नति मिलने पर कैप्टन हुईं। इसके बाद झांसी में तैनात रहीं। यहां उनका मेजर पद पर प्रमोशन हो गया। गांधीनगर में लेफ्टिनेंट कर्नल के तौर पर पदस्थ रहीं।

सोफिया के पति भी सेना में अफसर

इसके बाद वह कर्नल हो गईं। सोफिया के पति भी सेना में अफसर हैं। सोफिया के ताऊ इस्माइल कुरैशी बीएसएफ से रिटायर्ड होने के बाद भट्टा गांव में रहने लगे। दो साल पहले उनकी मौत हो चुकी है। सोफिया की चचेरी बहन शबाना कुरैशी का कहना है कि परिवार के सभी बच्चों के लिए सोफिया रोल मॉडल हैं। सभी उनकी तरह बनना चाहते हैं। उन्हें देखकर ही उनके भाई इकबाल बीएसएफ में भर्ती हुए। पूरे परिवार के लिए आज खुशी का मौका है। सोफिया की भाभी ने भी इसे गर्व का पल बताया। परिवार के लोगों ने आस–पड़ोस के लोगों ने पहुंचकर बधाई दी।

सैनिकों के गांव में हुई आतिशबाजी, बंटी मिठाई

ललितपुर का ध्वारी एवं पड़वां गांव में आतिशबाजी के साथ लोगों ने एक–दूसरे को मिठाई बांटकर खुशी मनाई। इस गांव में सर्वाधिक सेना से जुड़े लोग रहते हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, ध्वारी गांव में 29 लोग सेना में हैं जबकि पड़वा गांव में 12 लोग सेना से हैं। इनमें अधिकांश विभिन्न स्थानों पर तैनात हैं। कई जवान सरहद पर भी तैनात हैं।

आपरेशन सिंदूर के बाद यूपी में रेड अलर्ट

आगरा। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद ताजमहल पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सीआईएसएफ को मुस्तैद किया गया है। इसके साथ ही बैरिकेडिंग पर भी जांच बढ़ाई गई है। पाकिस्तान से युद्ध की आशंका पर ताजमहल समेत स्मारकों पर भी अलर्ट है। सीआईएसएफ के जवान मुस्तैद हैं। बैरिकेडिंग पर भी सख्ती से जांच की गई।

मॉक ड्रिल कर सुरक्षा व्यवस्था भी परखी गई। नवागत अधीक्षण पुरातत्वविद ने ताजमहल और फतेहपुर सीकरी का निरीक्षण किया।

ताजमहल की ओर के रास्तों पर सुरक्षा को देखते हुए बैरिकेडिंग पर सख्ती से जांच की गई। लोगों के पहचानपत्र देखे गए, वाहनों की भी जांच की गई। शाम तक सघन जांच अभियान चलता रहा। ताजमहल पर सीआईएसएफ के जवान भी मुस्तैद रहे। अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ. स्मिथा एस. कुमार ने ताजमहल का निरीक्षण किया।

पाकिस्तान में जिस राफेल ने मचाई तबाही, उस विमान में अथाह ताकत

आगरा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को सबक सिखाते हुए देश के सशस्त्र बलों ने 6 से 7 मई की दरमियानी रात को 1रू05 बजे से लेकर 1:30 बजे तक ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। 25 मिनट के इस ऑपरेशन में 24 मिसाइलों के जरिए नौ आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया गया। जिस विमान ने पाक पर ये कहर बरपाया, उसमें अथा ताकत है।

पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर भारतीय वायुसेना के राफेल विमानों ने स्कैल्प क्रूज मिसाइल और हैमर बम से तबाही मचाई। उन राफेल विमानों को लाने का श्रेय आगरा के लाल पूर्व एयर चीफ आरके सिंह भदौरिया को है। फ्रांस के साथ राफेल डील में अहम भूमिका निभाने वाले ये पूर्व एयर चीफ राफेल उड़ाने वाले पहले पायलट हैं। देश में आए पहले राफेल विमान के टेल पर उनके नाम पर ही आरबी–01 नाम देकर सम्मान दिया गया है।

पूर्व एयर चीफ मार्शल आरके सिंह भदौरिया का पैतृक गांव बाह के कोरथ में है। फ्रांस के साथ 36 राफेल विमानों की खरीद में उनका बड़ा योगदान रहा था। एयर चीफ बनने के बाद उन्होंने राफेल में उड़ान भरी थी। उन्हीं राफेल विमानों ने सीमा पार किए बिना ही पाकिस्तान में मौजूद आतंकी अड्डों पर स्कैल्प क्रूज मिसाइलें दागी गईं। राफेल के साथ एयर स्ट्राइक में आगरा एयरबेस में तैनात रहे एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (अवाक्स) का भी योगदान रहा है।

आगरा मंडल के दीपक चौहान ही फ्रांस से लाए

मंडल के मैनपुरी निवासी स्क्वाड्रन लीडर दीपक चौहान ही पहले पायलट थे, जो फ्रांस से राफेल विमान को भारत लेकर आए। मैनपुरी निवासी दीपक चौहान साल 2007 में भारतीय वायुसेना में कमीशन हुए थे। उन्होंने राफेल विमान उड़ाने का सबसे पहले प्रशिक्षण लिया था। वह इससे पहले मिराज और जगुआर विमान भी उड़ा चुके हैं।

एयर स्ट्राइक में भी आगरा की भूमिका

छह साल पहले पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक के दौरान आगरा एयरफोर्स की बड़ी भूमिका रही थी। तब आगरा एयरफोर्स बेस स्टेशन से इजराइली तकनीक वाले अवाक्स विमान पूरी स्ट्राइक के दौरान आसमान में ही रहे थे। अवाक्स के जरिए ही एयर स्ट्राइक पर निगरानी रखी गई थी। इस स्ट्राइक में ग्वालियर और आगरा से विमानों ने उड़ान भरी थी।

वायु सेना से हवाई हमले की चेतावनी, सायरन बजते ही बुझाई बत्तियां

आगरा। वायु सेना से रात 8 बजे हवाई हमले की चेतावनी मिली। रेड सिग्नल होते ही सायरन गूंजने लगे। लोगों ने बत्तियां बुझाई और जान बचाने के लिए जमीन पर लेट गए।

ये नजारा था ऑपरेशन अभ्यास के तहत हुए ब्लैकआउट व सायरन मॉकड्रिल का। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम पर जमे रहे। सिविल डिफेंस के इस कंट्रोल रूम में लगी हॉट लाइन पर वायु सेना से हवाई हमले का अलर्ट आया।

रेड सिग्नल होते ही 5 सेकेंड में 19 स्थानों पर सायरन बजने शुरू हो गए। सिविल डिफेंस के पास हैंड हेल्ड सायरन थे।

सायरन और ब्लैक आउट के दौरान बाजार, दफ्तर खुले रहे। बाजारों में ब्लैक आउट का मिलाजुला असर रहा। डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने कहा कि ब्लैकआउट मॉकड्रिल सफल रही। इसका उद्देश्य लोगों को जागरूक करना था।

इन स्थानों पर गूंजे सायरन

एयर रेड वार्निंग के तहत सिविल डिफेंस ने शहर में 15 स्थान चिह्नित किए थे। जहां हैंड मशीनों से सायरन बजाए गए। सायरन कलेक्ट्रेट, मोहनपुरा, नरायच, रुई की मंडी, आईटीआई बल्केश्वर, पानी की टंकी कमला नगर, रावतपाड़ा, सेक्टर–1 आवास विकास कॉलोनी, नरीपुरा, संजय प्लेस स्थित शहीद स्मारक, जयपुर हाउस, भगवान टॉकीज, गुरुद्वारा गुरु का ताल, शिल्पग्राम ताजगंज में बजे।

फिर सक्रिय होगा सिविल डिफेंस

सिविल डिफेंस ने शहर को 6 वार्डों में बांट रखा है। कागजों में 700 वार्डन हैं। लेकिन, धरातल पर 200 से ज्यादा सक्रिय नहीं। इस निष्क्रियता पर डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि सिविल डिफेंस को फिर सक्रिय किया जाएगा। नए लोगों को जोड़कर प्रशिक्षित किया जाएगा। सिविल डिफेंस की स्थापना भारत–चीन युद्ध के बाद की गई थी।

युद्ध के लिए बनेगा एक्शन प्लान

यह तो मॉकड्रिल थी। सोचिए यदि वास्तव में युद्ध छिड़ जाए तो क्या होगा। ऐसे में जिला प्रशासन ने एक प्लान बनाने की बात कही है। इस एक्शन प्लान में आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं के अलावा अस्पताल, बेड और चिकित्सकों के साथ पुलिस, प्रशासन एवं सामाजिक संगठनों की भूमिका तय होगी। प्लान को आकस्मिक आपातकाल की स्थिति में लागू किया जा सकेगा।

मॉक ड्रिल– सायरन बजा

ताजमहल पर भी खतरे को देखते हुए मॉक ड्रिल किया। शाम को 7 बजे एएसआई कर्मचारी और सीआईएसएफ के जवानों ने भाग लिया। सायरन बजते ही सभी सक्रिय हो गए। पर्यटकों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर लेकर गए। घायल को स्ट्रेचर पर लेकर अस्पताल पहुंचाया।

पाक पर प्रचंड वार

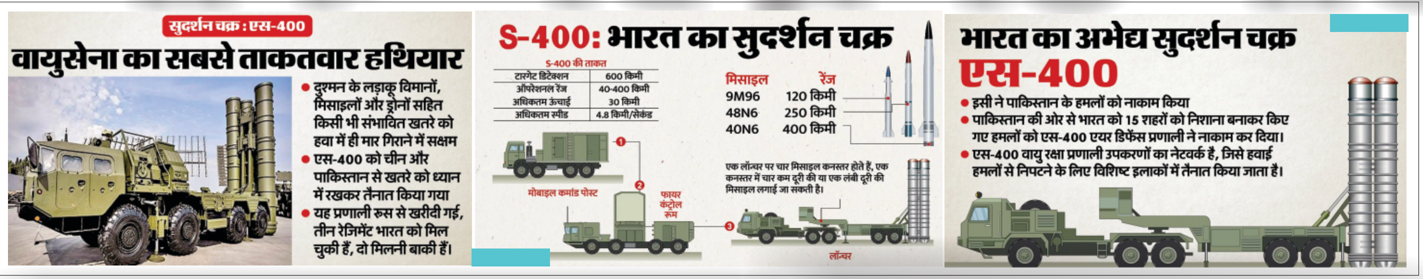

नई दिल्ली । 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ पाकिस्तान में चलाए गए भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने गुरुवार की रात भारत के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे भारतीय सेनाओं ने पूरी तरह नाकाम कर दिया। लड़ाकू विमानों, ड्रोन, रॉकेट व मिसाइलों के जरिए पाकिस्तान ने रात 8 से 10 बजे के बीच जम्मू, पठानकोट, फिरोजपुर, कपूरथला, जालंधर व जैसलमेर के सैन्य ठिकानों और आयुध केंद्रों पर हमला किया। पाकिस्तान के दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देते हुए भारत ने पड़ोसी देश के लाहौर, इस्लामाबाद, पेशावर व सियालकोट समेत सात शहरों पर एकसाथ हमला किया।

ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने गुरुवार की रात भारत के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की। भारतीय सेनाओं ने अपने शक्तिशाली सुरक्षा कवचों से सभी नापाक मंसूबों को ढेर कर दिया। लड़ाकू विमानों, ड्रोन, रॉकेट व मिसाइलों के जरिए पाकिस्तान ने रात 8 से 10 बजे के बीच जम्मू, पठानकोट, फिरोजपुर, कपूरथला, जालंधर व जैसलमेर के सैन्य ठिकानों और आयुध केंद्रों पर हमला किया। पाकिस्तान के दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देते हुए भारत ने पड़ोसी देश के लाहौर, इस्लामाबाद, पेशावर व सियालकोट समेत सात शहरों पर एकसाथ हमला किया। थल व वायुसेना के बाद नौसेना भी इसमें जुड़ गई।

एस–400 मिसाइल सिस्टम

भारतीय वायुसेना ने बुधवार रात भारत की तरफ आ रहे टारगेट्स को वायु रक्षा प्रणाली श्एस–400 सुदर्शन चक्र मिसाइल सिस्टमश से निशाना बनाया। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, एस–400 से सफलतापूर्वक सभी टारगेट्स को तबाह कर दिया गया। वहीं भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए हार्पी ड्रोन्स से पाकिस्तान के वायु सुरक्षा प्रणाली को निशाना बनाया और लाहौर स्थित रडार सिस्टम को तबाह कर दिया।

एस–400 वायु रक्षा प्रणाली उपकरणों का एक नेटवर्क है, जिसे हवाई खतरों से निपटने के लिए किसी विशिष्ट क्षेत्र में तैनात किया जाता है। यह दुश्मन के लड़ाकू विमानों, मिसाइलों और ड्रोन्स को हवा में ही निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम को भारतीय वायुसेना के सबसे ताकतवर हथियारों में से एक माना जाता है। यह किसी भी संभावित खतरे को हवा में ही तबाह करने में सक्षम है। एस–400 मिसाइल सिस्टम को चीन और पाकिस्तान के खतरे को ध्यान में रखकर तैनात किया गया है।

@सोनू ने फ्लान्ट की कमर

मुम्बई। तारक मेहता का उल्टा चश्मा में सोनू का रोल निभाकर फेमस हुई निधि भानुशाली आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है. निधि सोशल मीडिया सेंसेशन हैं. उनके किलर लुक्स वायरल रहते हैं. हाल ही में निधि भानुशाली ने ग्लैमरस फोटोशूट शेयर किया है. इसमें उनके लुक से नजरें हटा पाना पॉसिबल नहीं है. वो बहुत गॉर्जियस लग रही हैं. हाल ही में निधि भानुशाली ने ग्लैमरस फोटोशूट शेयर किया है. इसमें उनके लुक से नजरें हटा पाना पॉसिबल नहीं है. वो बहुत गॉर्जियस लग रही हैं. उन्होंने ब्लैक साड़ी के साथ स्ट्रेपलेस ब्लाउज कैरी किया है. निधि ने व्हाइट कलर की चूड़ियां पहनी हैं. वो कमर फ्लॉन्ट करती नजर आईं. उन्होंने ब्लैक साड़ी के साथ स्ट्रेपलेस ब्लाउज कैरी किया है. निधि ने व्हाइट कलर की चूड़ियां पहनी हैं. वो कमर फ्लॉन्ट करती नजर आईं. निधि ने टैटू भी फ्लॉन्ट किए. उन्होंने लॉन्ग झुमके और कमरबंद भी पहना था. जो उनके लुक को निखार रहा था. फेंस निधि के लुक को पसंद कर रहे हैं. लोग उन्हें हॉट बोल रहे हैं. एक यूजर ने तारक मेहता की बबीता जी (मुनमुन दत्ता) से कंपेयर कर दिया. यूजर ने लिखा- सोनू के सामने बबीता जी हुईं फेल. फैंस निधि के लुक को पसंद कर रहे हैं. लोग उन्हें हॉट बोल रहे हैं. एक यूजर ने तारक मेहता की बबीता जी (मुनमुन दत्ता) से कंपेयर कर दिया. यूजर ने लिखा- सोनू के सामने बबीता जी हुईं फेल. कुछ लोगों को निधि का लुक करीना कपूर की फिल्म अशोका से इंस्पायर लगा. करीना ने भी फिल्म में ऐसा ही लुक कैरी किया था. कुछ लोगों को निधि का लुक करीना कपूर की फिल्म अशोका से इंस्पायर लगा. करीना ने भी फिल्म में ऐसा ही लुक कैरी किया था. निधि ने शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में सालों काम किया. वो सोनू आत्माराम भिड़े के रोल में दिखीं. फिलहाल वो टीवी में काम नहीं कर रही हैं. निधि ने शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में सालों काम किया. वो सोनू आत्माराम भिड़े के रोल में दिखीं. फिलहाल वो टीवी में काम नहीं कर रही हैं।

> निधि ने टैटू भी फ्लान्ट किए. उन्होंने लान्ग झुमके और कमरबंद भी पहना था. जो उनके लुक को निखार रहा था. निधि ने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए स्मोकी आईमेकअप लिया. कर्ली हेयरस्टाइल लुक में चार चांद लगा रहे हैं. निधि की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

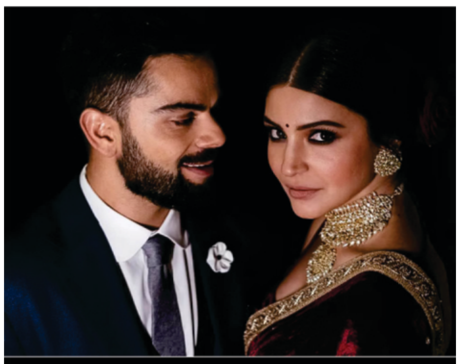

गाड़ी से उतरते वक्त अनुष्का ने नहीं थामा विराट कोहली का हाथ

भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा मंगलवार रात बेंगलुरु में एक साथ नजर आए। इंस्टाग्राम पर अवनीत कौर की पोस्ट लाइक करने के बाद विराट और अनुष्का पहली बार एक साथ सार्वजनिक रूप से नजर आए। एक फैन ने इस पल का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है।

पूल साइड हॉट पोज देती नजर आई एक्ट्रेस

वीडियो वायरल पर फैंस बोले- एआई ने बनाई एंजेल मल्लिका

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत का लेटेस्ट वीडियो सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। मल्लिका के इस वीडियो पर फैंस जमकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। मल्लिका शेरावत ने आज अपना एक लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह बेहद ही हॉट एंड बोल्ड लुक में नजर आ रही हैं। मल्लिका के इस वीडियो पर फैंस लगातार अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और उन्हें ए आई से बनी एंजेल का टैग दे रहे हैं। मल्लिका शेरावत ने आज कुछ ही देर पहले इंस्टाग्राम पर अपना एक बोल्ड एंड हॉट वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह कॉटन की चुन्नी या फिर गमछा लपेटे नजर आ रही हैं। यह वीडियो मल्लिका के घर का है या किसी होटल का यह कहना थोड़ा मुश्किल है। बहरहाल, इस वीडियो में मल्लिका पूल किनारे हॉट पोज देती नजर आ रही हैं। मल्लिका का यह वीडियो अब प्रशंसकों के बीच पसंद किया जा रहा है।

पूल किनारे मल्लिका

इस वीडियो में मल्लिका कैमरे की तरफ देखकर पहले पोज देती नजर आ रही हैं और उसके बाद वह अपने बालों को झटकते हुए कैमरे की ओर बढ़ती हैं। मलाइका इस लुक में बेहद खूबसूरत दिखाई दे रही हैं। उन्होंने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, गुड वाइब्स ओनली। वहीं अब उनके फैंस इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया लगातार दे रहे हैं।

फैंस की प्रतिक्रियाएं

मल्लिका के इस वीडियो पर अब फैंस लागतार कमेंट कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, आपकी खूबसूरती बेमिसाल है, सच में, एक और फैन ने लिखा, बहुत खूबसूरत लग रही हैं, एक और फैन ने लिखा, आत्मविश्वास, सुंदरता = आप-एकदम सही संयोजन, एक और फैन ने लिखा, आपकी आभा आपके रूप की तरह ही प्यारी है, एक और फैन ने लिखा, एआई ने बनाई एंजेल मल्लिका, एक और फैन ने लिखा, श्आप हमेशा मेरा दिन बना देती हैं , एक और फैन ने लिखा, आप एक सच्ची फैशन आइकन हैं।

मल्लिका का करियर

मल्लिका शेरावत आखिरी बार फिल्म श्विक्की विद्या का वो वाला वीडियोश में नजर आईं। फिल्म में मल्लिका शेरावत का काम दर्शकों को काफी पसंद आया। इस फिल्म में मल्लिका के अलावा राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी ने मुख्य भूमिका निभाई है।

विराट को पागल करके ही मानेगी..

अवनीत हुई बोल्ड

एंटरटेनमेंट डेस्क। एक्ट्रेस अवनीत कौर ने आज अपना लेटेस्ट लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिस पर नेटिजेंस जमकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, जो नेटिजेंस के बीच वायरल हो गया है, जिसके बाद से नेटिजेंस कमेंट बॉक्स में विराट कोहली को लेकर लगातार चर्चा कर रहे हैं।

> अवनीत ने ऑफ शोल्डर ब्लैक शॉर्ट ड्रेस में अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इस पोस्ट के साथ अवनीत ने कैप्शन में लिखा, आउटफिट पहनें, क्योंकि आप ही मौका हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने इस लुक में कई हॉट पोज भी दिए, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन चुके हैं।

कांस्य आंखें और चाकलेटी होंठ

> भूमि पेडनेकर की कांस्य आंखें और चाकलेटी होंठ एक आकर्षक सौंदर्य लुक देते हैं

> भूमि पेडनेकर ने कांस्य और खूबसूरत ग्लैमरस अवतार में अपना जलवा बिखेरा

मुम्बई। भूमि पेडनेकर ने अपनी नवीनतम सौंदर्य प्रस्तुति से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। रॉयल्स की अभिनेत्री को मुंबई में ऑफ-शोल्डर प्लेड ड्रेस और ड्रॉप स्टाइल सिल्वर इयररिंग्स पहने हुए देखा गया। लेकिन जिस चीज ने हमारा ध्यान खींचा, वह थी रात के लिए उनका कांस्य और सुंदर ग्लैमर। भूमि के ग्लैमरस अवतार में कांस्य रंग की गोता जैसी ग्लैमर थी, जो गर्मियों की शाम के लिए उपयुक्त मेकअप की तरह लग रही थी। भूमि पेडनेकर शहर में रात बिताने के लिए सज-धज कर तैयार हुई थीं और इस दौरान वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। इस आउटिंग के लिए, द रॉयल्स की अभिनेत्री ने अपने ब्रॉन्ज ग्लैमर से सभी को चौंका दिया, जिसमें फाउंडेशन और ब्रोंजिंग ड्रॉप्स के मिश्रण से तैयार किया गया चमकदार बेस शामिल था। उन्होंने इसे धनुषाकार भौंहों, सूर्यास्त जैसी आँखों के साथ पूरा किया जो कांस्य शिमरी छाया, काले पंखों वाले आईलाइनर और बहुत सारे मस्कारा का एक शानदार मिश्रण था। कंटूर के साथ मिलकर ब्रिक रोज ब्लश की एक स्वीप ने उनके गालों की चमक को पूरा किया। भूमि ने अपने लुक में ग्लैम के अंतिम स्ट्रोक को स्टेन्ड बेरी ऑम्ब्रे लिप कलर के साथ जोड़ा। अगर भूमि पेडनेकर का मेकअप बेहतरीन था, तो उनके बाल कैसे पीछे रह सकते थे? 35 वर्षीय अभिनेत्री ने अपने बालों को एक स्लीक लो बन में स्टाइल किया, जिससे उनका मेकअप और भी निखर कर सामने आया। भूमि पेडनेकर की कांस्य और खूबसूरत ग्लैमर सुंदरता सोने को खोदती है और कैसे।

कब–कब बीच में रोका गया आईपीएल

कभी आधे मैच तो कभी पूरी लीग बाहर हुई, इस बार पाकिस्तान की नापाक हरकत

स्पोर्ट्स डेस्क। ऐसा पहले भी हुआ है जब किसी न किसी वजह से आईपीएल को स्थगित करना पड़ा या दूसरी जगह आयोजित करना पड़ा। आइए उस सीजन के बारे में जानते हैं...भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच शुक्रवार को बड़ा फैसला लिया है। बीसीसीआई ने तनाव को देखते हुए आईपीएल 2025 का सत्र बीच में ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया है। इससे पहले गुरुवार को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच धर्मशाला में खेले गए मैच को सुरक्षा कारणों से बीच में ही रद्द कर दिया गया था क्योंकि आसपास के इलाकों में हवाई हमले की चेतावनी दी गई थी, जिससे शहर में 'ब्लैकआउट' कर दिया गया।

पंजाब की टीम तब 10.1 ओवर में एक विकेट पर 122 रन बना चुकी थी। तभी लाइटें चली गईं। हालांकि, तब इसका कारण फ्लडलाइट की खराबी बताया गया था। टीमों और दर्शकों को उनकी सुरक्षा के लिए स्टेडियम से बाहर निकाल दिया गया।

तब पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह 28 गेंद पर 50 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे, जबकि उनके सलामी जोड़ीदार प्रियांश आर्य ने 34 गेंद पर 70 रन बनाकर तेज गेंदबाज टी नटराजन की गेंद पर आउट हुए थे, जिसके तुरंत बाद खेल रोकना पड़ा। गुरुवार से ही आईपीएल के बाकी बचे मैचों के होने पर संशय था।

किसी आपातकालीन स्थिति में मैच आयोजित करना किसी भी बोर्ड के लिए मुश्किल होता है। ऐसे में फिलहाल मौजूदा स्थिति में पाकिस्तान की नापाक हरकत के बाद आईपीएल को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने का फैसला बीसीसीआई के लिए जरूरी था, क्योंकि विदेशी खिलाड़ियों की सुरक्षा सर्वोपरि है।

ऐसा पहले भी हुआ है जब किसी न किसी वजह से भारत में किसी मैच को या भारतीय लीग को स्थगित करना पड़ा या फिर दूसरी जगह आयोजित करना पड़ा। आइए जानते हैं...

आईपीएल 2009

2009 में लोकसभा चुनाव की वजह से लीग को दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया गया था। लीग के सभी मैच दक्षिण अफ्रीका में ही आयोजित किए गए थे। तब पहली बार आईपीएल किसी दूसरे देश में आयोजित किया था। तब चुनाव और लीग की तारीखें न टकराएं, इस वजह से लीग दूसरे देश में आयोजित की गई। बीसीसीआई कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता था। फाइनल में डेक्कन चार्जर्स ने रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु को हराकर खिताब जीता था।

आईपीएल 2014

2014 में भी लोकसभा चुनाव होने थे। ऐसे में इस सीजन के मैचों को संयुक्त अरब अमीरात और भारत के बीच बांटा गया था। भारतीय चुनावों के साथ टकराव से बचने के लिए शुरुआती मैच संयुक्त अरब अमीरात में खेले गए थे। लीग के शुरुआती 20 मैच यूएई में खेले गए। दो मई को लीग की भारत में वापसी हुई और फिर टूर्नामेंट के बाकी मैच यहीं खेले गए। फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स ने पंजाब किंग्स को शिकस्त दी थी।

आईपीएल 2020

आम चुनावों के बावजूद भारत में आईपीएल 2019 का सफलतापूर्वक आयोजन करने के एक साल बाद बीसीसीआई को कोविड–19 के कारण पूरा आईपीएल सीजन यूएई में आयोजित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सभी प्रतिबंधों और प्रोटोकॉल के साथ बीसीसीआई ने टूर्नामेंट को यूएई में आयोजित करने का फैसला किया। मुंबई इंडियंस ने फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को हराकर पांचवीं बार ट्रॉफी अपने नाम की।

आईपीएल 2021

भारत 2021 में कोविड–19 से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से एक था और भारत में हर दिन कई मामले दर्ज किए गए। अलग–अलग टीमों में भी कोविड के मामले सामने आए। इस वजह से कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के बीच 30वें मैच से पहले टूर्नामेंट को स्थगित कर दिया गया था। बीसीसीआई ने आईपीएल को वापस यूएई में आयोजित किया और बाकी मैच वहीं आयोजित किए। चेन्नई सुपर किंग्स ने फाइनल में केकेआर को हराकर चार बार आईपीएल चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

टी20 विश्व कप 2021

कोविड के मामलों की वजह से बीसीसीआई ने 2021 टी20 विश्व कप का आयोजन भी यूएई में ही किया था। बीसीसीआई इसका मेजबान था और भारत में मैच होने थे, लेकिन फिर से यूएई में आयोजित करना पड़ा।

आईपीएल 2025

अब आईपीएल 2025 को भी एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया गया है। बीसीसीआई ने इसकी कोई जानकारी नहीं दी है कि इस लीग के बाकी मैच कब खेले जाएंगे।

हालांकि, पाकिस्तान की नापाक हरकत की वजह से इस लीग पर पहली बार असर पड़ा है। बीसीसीआई अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, श्यह अच्छा नहीं लगता कि जब देश युद्ध में है तब क्रिकेट चल रहा है।

आईपीएल 2025 का सत्र अपने अंतिम पड़ाव पर चल रहा था और इसमें फाइनल समेत कुल 16 मुकाबले खेले जाने शेष थे। आईपीएल 2025 सत्र का फाइनल मुकाबला 25 मई को कोलकाता में खेला जाना था, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए इसे एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया गया है।

इंग्लैंड का भारत दौरा, 2008

मुंबई में 2008 में हुए आतंकी हमले का भारत–इंग्लैंड के बीच सीरीज पर असर पड़ा था। मुंबई में आतंकवादी हमले के बीच इंग्लैंड के खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए उन्हें घर भेज दिया गया था। माहौल तनाव से भरा था और कुछ भी अनिश्चित था।

हालांकि, भारत ने एक आतंकी को जिंदा पकड़ लिया था और बाकियों को मार गिराया था। मामला शांत होने के बाद फिर से सीरीज की दोबारा शुरुआत हुई और भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज के बाकी मुकाबले खेले गए।

भारत-पाकिस्तान तनाव से आईपीएल पर ब्रेक

- एक हफ्ते बाद होगा आईपीएल के नए कार्यक्रम पर फैसला
- स्टेकहोल्डर्स से चर्चा के बाद की जाएगी नए कार्यक्रम की घोषणा
- विदेशी खिलाड़ियों और उनके बोर्ड को लेना होगा वापसी का निर्णय
- एशिया कप पर फिलहाल कोई चर्चा नहीं

(बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला के मुताबिक)

क्या एशिया कप की जगह सितंबर में कराया जा सकता है आईपीएल

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत और पाकिस्तान के बीच जिस तरह की परिस्थितियां मौजूदा समय में उत्पन्न हुई हैं उसे देखते हुए सितंबर में एशिया कप का होना मुश्किल नजर आ रहा है। एशिया कप के लिए सितंबर में 19 दिन का विंडो रखा गया है जहां फाइनल के अलावा भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम दो बार भिड़ंत हो सकती है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को देखते हुए आईपीएल 2025 का सत्र एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया है। आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी 16 मैच शेष थे जिन्हें 10 या 12 दिनों के विंडो में पूरा कराया जा सकता है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि शफिलहाल लीग को एक हफ्ते के लिए टाल दिया गया है। इसके बाद हम हालात का जायजा लेंगे और फैसला करेंगे।

लीग के लिए विंडो को लेकर पूछ गए सवाल में राजीव शुक्ला ने कहा कि शसभी बोर्ड हमारा समर्थन करते हैं। ऐसे में विंडो कोई चिंता की बात नहीं है।श विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर उन्होंने कहा कि श्यह उनका निजी फैसला होगा, वो खुद ही इस पर फैसला लेंगे।श आईपीएल 2025 का शेष सत्र कब शुरू ये तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन इस बात पर भी चर्चा शुरू हो गई है कि इसके लिए विंडो कौन सी होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच जिस तरह की परिस्थितियां मौजूदा समय में उत्पन्न हुई हैं उसे देखते हुए सितंबर में एशिया कप का होना मुश्किल नजर आ रहा है। एशिया कप की मेजबानी भारत को (तटस्थ स्थान पर) करनी है, लेकिन जिस तरह पहलगाम हमले के बाद स्थितियां उत्पन्न हुई है, उसे देखते हुए इस बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट का होना किसी चमत्कार से कम नहीं होगा। ऐसे में बीसीसीआई के पास सितंबर में एशिया कप के विंडो के दौरान आईपीएल 2025 का शेष सत्र कराने का विकल्प भी उपलब्ध है।

एशिया कप के लिए 19 दिन का विंडो

एशिया कप के लिए सितंबर में 19 दिन का विंडो रखा गया है जहां फाइनल के अलावा भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम दो बार भिड़ंत हो सकती है। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, अगर क्रिकेट तब भी जारी रहता है जब एक दुष्ट देश के साथ युद्ध की संभावना है तो यह बेहद खराब स्थिति है। जब सब कुछ सामान्य हो जाएगा तो खेल जारी रह सकते हैं। इसके अलावा विदेशी खिलाड़ियों और कोचों का सतर्क रहना और स्वदेश लौटना बहुत स्वाभाविक है।

बीसीसीआई ने सोच विचार के बाद लिया है फैसला

एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी हैं और एशिया कप के रद्द होने से होने वाले वित्तीय नुकसान से निपटने की जिम्मेदारी उन पर होगी। दिलचस्प बात यह है कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी हैं और एशिया कप के रद्द होने से होने वाले वित्तीय नुकसान से निपटने की जिम्मेदारी उन पर होगी। यह समझा जाता है कि बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों द्वारा लीग को स्थगित करने का निर्णय अच्छी तरह से सोचा–समझा फैसला था, क्योंकि अब केवल कुछ ही मैच बचे हैं, जिन्हें 10 दिन की अवधि में भी पूरा किया जा सकता है, जिसमें संभावित रूप से डबल–हेडर भी शामिल हैं।

बीसीसीआई के पास क्या हैं विकल्प?

आईपीएल के लिए मार्च के अंत से लेकर मई के अंत तक का विंडो सबसे श्रेष्ठ रहता है क्योंकि इस दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की व्यस्तता नहीं होती है। ऐसे में सभी क्रिकेट बोर्ड के पास अपने खिलाड़ियों को लीग में हिस्सा लेने के लिए अच्छा मौका होता है। अब जबकि कार्यक्रम गड़बड़ा गया है, बीसीसीआई को उपलब्ध विकल्पों पर विचार करना होगा। आईपीएल 2025 के समाप्त होने के बाद भारतीय टीम को जून के पहले सप्ताह से अगस्त के पहले सप्ताह तक इंग्लैंड का दौरा करना है और यह कार्यक्रम बदला नहीं जा सकता है। आईपीएल के शेष सत्र को पूरा कराने के लिए सबसे उपयुक्त समय सितंबर के दूसरे सप्ताह से लेकर चौथा सप्ताह है। ऐसे में बीसीसीआई विभिन्न क्रिकेट बोर्ड के साथ चर्चा कर सकता है कि वे अपने खिलाड़ियों को आईपीएल में खेलने की मंजूरी दे।

अगस्त में क्यों नहीं हो सकता आयोजन

अगस्त में आईपीएल 2025 के शेष सत्र को कराना संभव नहीं है क्योंकि इस दौरान भारत को बांग्लादेश के खिलाफ छह मैचों की सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है। हालांकि, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा आयोजित द हंड्रेड टूर्नामेंट भी पांच से 31 अगस्त के बीच होना है जिसमें टी20 के शीर्ष खिलाड़ी खेलते हैं। इनमें से कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो आईपीएल में भी हिस्सा लेते हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच भी अगस्त में सीमित ओवरों की सीरीज होनी है जिससे दोनों देशों के खिलाड़ी आईपीएल के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया की भारत पाकिस्तान तनाव पर नजर

स्पोर्ट्स डेस्क। ऑस्ट्रेलिया के कई खिलाड़ी आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी कर बताया कि वो हालात पर नजर रखे हुए है। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया लगातार नजर बनाए हुए है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी कर बताया कि वो हालात पर नजर रखे हुए है। ऑस्ट्रेलिया के कई खिलाड़ी आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे हैं। धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला गया मुकाबला फ्लड लाइट में खराबी के कारण रद्द कर दिया गया था।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी कर कहा, हम पाकिस्तान और भारत की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई सरकार, पीसीबी, बीसीसीआई और स्थानीय सरकारी अधिकारियों से नियमित सलाह और अपडेट प्राप्त करना और क्षेत्र में मौजूद हमारे खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ संवाद बनाए रखना शामिल है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिन:– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।